

### बेल्ट एण्ड रोड इनिशिएटिव का वर्तमान संदर्भ (BRI)

- इटली, चीन की योजना बेल्ट एण्ड रोड इनिशिएटिव में शामिल हुआ, इस समझौते से चीन को अपने ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को पश्चिमी यूरोप में ले जाने में मदद मिलेगी, तथा चीन अपने आर्थिक हित को विस्तार दे पाएगा।
  - इटली इस प्रोजेक्ट में शामिल होने वाला विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के 67 समूह का पहला सदस्य होगा।
- वन बेल्ट वन रोड परियोजना**
- चीन द्वारा आर्थिक मंदी से उबरने, बेरोजगारी से निपटने और अर्थव्यवस्था में सुधार हेतु 'वन बेल्ट, वन रोड परियोजना' को पेश किया गया।
  - OBOR चीन द्वारा प्रायोजित एक योजना है, जिसमें पुराने सिल्क रोड के आधार पर एशिया अफ्रीका और यूरोप के देशों को सड़कों और रेल-मार्गों, गैस पाइप लाइन और बंदरगाह से जोड़ा जाएगा।
  - दुनिया के 65 देशों के इस प्रोजेक्ट में जोड़ने की योजना है, जिनमें विश्व की 4.4 अरब आबादी रहती है।
  - चीन ने एशिया, यूरोप और अफ्रीका को सड़क मार्ग, रेलमार्ग, से जोड़ने के लिए OBOR के तहत सिल्क रोड इकोनॉमिक बेल्ट और मैरीटाइम सिल्क रोड परियोजना शुरू की।

### इसमें 6 गलियारे बनाये जाने का प्रस्ताव है-

1. चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा
2. न्यू यूरेशियन लैंड ब्रिज
3. चीन-मध्य एशिया- पश्चिम एशिया आर्थिक गलियारा
4. चीन-मंगोलिया आर्थिक गलियारा
5. बांग्लादेश-चीन-भारत-म्यांमार आर्थिक गलियारा
6. इंडो-चाइना प्रायद्वीप आर्थिक गलियारा

### BRI के उद्देश्य-

- व्यापार हेतु समुद्री व जमीनी दोनों मार्गों का विकास करना है।
- चीन को वैश्विक व्यापार से जोड़ने हेतु व्यापारिक मार्गों, समानांतर बंदरगाहों, रेल व सड़कों का वृहद नेटवर्क का निर्माण करना है।
- इसका मुख्य उद्देश्य व्यापारिक गतिविधियों हेतु चीन को अफ्रीका मध्य एशिया से होते हुए यूरोप से जोड़ना है।
- चीन की यह परियोजना व्यापारिक मार्गों पर पश्चिमी देशों के दबदबे को कम करेगी।

### भारत और BRI परियोजना

- भारत ने चीन के इस प्रोजेक्ट में चीन-पाक इकोनॉमिक कॉरिडोर (CPEC) भी प्रस्तावित है। ये कॉरिडोर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान से होकर गुजरता है, जिस पर भारत का अधिकार है। भारत ने इस अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया।
- BRI से भारत, पाकिस्तान और चीन के संदर्भ में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा केंद्र में आता है इस मुद्दे को भारत और पाक के बीच द्विपक्षीय मुद्दे के रूप में देखा जाता है।
- भारत द्वारा इस परियोजना में शामिल न होने का अन्य कारण BRI में पारदर्शिता की कमी है।

### अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- कई मुद्दों पर पारदर्शिता की कमी के कारण विभिन्न देश इस परियोजना में शामिल नहीं हुए हैं।
- BRI परियोजना को अपनाने वाले देशों में चीन द्वारा आधारभूत संरचना का विकास, कनेक्टिविटी तथा आसान शर्तों पर निवेश किया जाता है।

- कुछ देशों द्वारा BRI की आलोचना 'डेब्ट ट्रेप' (Debt Trap) के कारण की जाती है, चीन द्वारा इस परियोजना में शामिल देशों को बुनियादी विकास हेतु सस्ता ऋण प्रदान किया जाता है, किन्तु प्राजेक्ट पूर्ण न होने की स्थिति में, ऋण चुका पाने में असमर्थ देशों को ऋण चुकाने के लिए ऋण लेना पड़ता है।
- अमेरिका रक्षा विभाग पेंटागन की एक रिपोर्ट के अनुसार, OBOR प्रोजेक्ट में कुछ ऐसे निवेश किए गये जो चीन की विस्तारवादी नीति का हिस्सा है। जिससे अन्य देशों की जमीन पर चीन को सामरिक बढ़त हासिल होगी।
- यह गलियारा जिन देशों से होकर गुजरेगा, उन पर नकारात्मक आर्थिक प्रभाव पड़ेगा और संप्रभुता प्रभावित होगी। अमेरिका और इसके सहयोगी देशों की रक्षा नीति के लिए भी यह चिंताजनक है।
- अमेरिका व कुछ विकसित देशों ने स्वयं को इस परियोजना से अलग रखा है, क्योंकि इन देशों का मानना है कि इससे चीन की बाजारवादी शक्ति का विस्तार होगा और चीन महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर होगा।
- हाल ही में अमेरिका द्वारा 'अमेरिका फर्स्ट नीति' के अंतर्गत व्यापार घाटे को कम करने के लिए चीन के साथ ट्रेड वार की शुरुआत हुई और चीन से हो रहे आयात पर टैरिफ लगाया, कुछ विश्लेषकों का यह भी मानना है कि, यह ट्रेड वार चीन की बढ़ती प्रभावशीलता को कम करने और अमेरिका के वर्चस्व को बनाये रखने के लिए किया गया।

### आगे की राह

- चीन वैश्वीकरण का समर्थक देश रहा है अतः उसे विश्व व्यापार संगठन की नीतियों का समर्थन करना चाहिए।
- WTO के अनुसार खुली और प्रतिस्पर्धात्मक वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देना चाहिए न कि संरक्षणवादी नीतियों को।
- पश्चिमी देशों द्वारा वैश्विक आर्थिक व्यापार को प्रोत्साहित करने हेतु फ्री-ट्रेड-पॉलिसी अपनानी चाहिए।

### प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. वन बेल्ट वन रोड परियोजना का नाम बदलकर बेल्ट एण्ड रोड इनिशिएटिव किया गया है।
2. इस परियोजना के अंतर्गत 8 आर्थिक गलियारें बनाये जाने का प्रस्ताव है।
3. बेल्ट एण्ड रोड इनिशिएटिव में भारत एक पर्यवेक्षक राष्ट्र है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) 1 और 2
- (c) 2 और 3
- (d) 1 और 3

### मुख्य परीक्षा प्रश्न-

**प्रश्न-** चीन द्वारा प्रस्तावित BRI परियोजना आर्थिक से अधिक उसकी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा का एक रूप है। एक तरफ यह चीन द्वारा प्रतिस्पर्धी बाजार व्यवस्था के समर्थन की नीति के विरुद्ध है वहीं WTO और अन्य राष्ट्रों के आपसी व्यापारिक संबंधों को हतोत्साहित भी करता प्रतीत होता है। उदाहरण देते हुए उपर्युक्त कथन की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।